अगर तुम युवा हो !

शशि प्रकाश

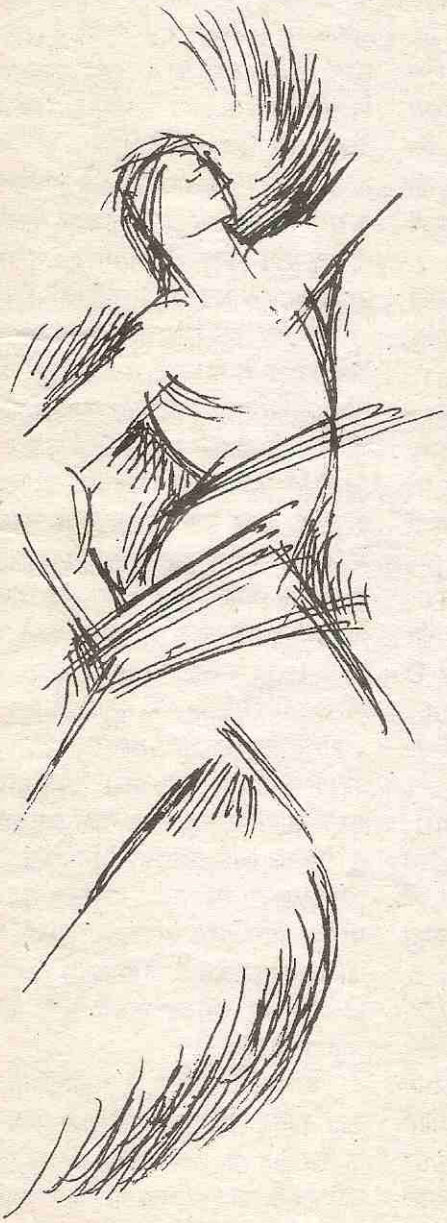

जहां स्पन्दित हो रहा है बसन्त
हिंस्र हेमन्त और सुनसान शिशिर में
वहां है तुम्हारी जगह
अगर तुम युवा हो!

जहां बज रही है भविष्य-सिम्फनी
जहां स्वप्न खोजी यात्राएं कर रहे हैं
जहां ढाली जा रही हैं आगत की साहसी परियोजनाएं,
स्मृतियां जहां ईंधन हैं,
लुहार की भाथी के कलेजे में भरी
बेचैन गर्म हवा जहां जिन्दगी को रफ्तार दे रही है,
वहां तुम्हें होना है
अगर तुम युवा हो!

जहां दर-बदर हो रही है ज़िन्दगी,
जहां हत्या हो रही है जीवित शब्दों की
और आवाज़ों को क़ैद-तन्हाई की
सज़ा सुनाई जा रही है,
जहां निर्वासित वनस्पतियां हैं
और काली तपती चट्टानें हैं
वहां तुम्हारी प्रतीक्षा है
अगर तुम युवा हो!

जहां संकल्पों के बैरिकेड खड़े हो रहे हैं
जहां समझ की बंकरें खुद रही हैं
जहां चुनौतियों के परचम लहराये जा रहे हैं
वहां तुम्हारी तैनाती है
अगर तुम युवा हो!